Anveshan (अन्वेषण): A Multidisciplinary Journal in Hindi
Vol. 1, Issue 1 - 2017

संपादकीय (अपनी बात)

डॉ. टी.जे. रेखा रानी*

आप सबके सामने "अन्वेषण" का प्रथम खंड हैं। पत्रकारिता जगत में अन्वेषण का निकलना अपने आप में अद्‌वितीय पहल हैं अपने नाम के अनुरूप ही अन्वेषण अपने उद्देश्य को लेकर प्रतिबद्ध है। चूंकि अन्वेषण का अर्थ ही होता है कि कुछ नवीनतम खोज। जिसके अनेक रूप होते हैं, जिसमें बिखरी हुई सामग्री और तथ्यों का चयन कर उसे विश्लेषित करने के पश्चात निष्कर्ष पर पहुंचते हैं।

ज्ञान व्यक्ति तथा वस्तु के संपर्क से उत्पन्न होता है। मनुष्य अपनी प्रतिभा के बल पर वस्तु का निरीक्षण, परीक्षण कर मूल्यांकन करता है। नए रुप,नए सिद्धांत, नई बातें गढता है। देश और दुनिया को सजग एवं चेतनावान तो बनाता ही है साथ ही दृष्टि संपन्न, लक्ष्य की ओर उन्मुख विकसित तथा सुनियोजित बौदिक क्रियाओं को आगे बढ़ाता है अतः आशा है कि अन्वेषण का प्रथम खंड हमारे सुधीपाठकों के लिए रोचक, ज्ञानवर्द्धक एवं जिज्ञासुमय रहेगा। हर बार की तरह हमे आशा है कि आप हमारा इसी तरह साथ देते रहेंगे।

सभी को धन्यवाद,

*Department of Hindi, The English and Foreign Languages University, Hyderabad, India.
Correspondence E-mail Id: editor@eurekajournals.com

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved.